महावीरा कृषि समाचार

YEAR 4 | EDITION 4 अप्रैल, 2026 www.rmphosphates.com

एग्रीकल्चर News:

वाह रे विज्ञान! भारत में पहली बार आया रंगीन आलू, सुपरफूड से है लबालब, खेती से किसान होंगे मालामाल और सेहत रहेगी टॉप!

केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान मेरठ ने 'कुफरी जामुनिया' आलू विकसित किया है, जो एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन से भरपूर है। अन्य किस्में 'कुफरी नीलकंठ', 'कुफरी लोहित', 'कुफरी रतन' भी है। यह भारत में पहली बार विकसित हुई है।

अभी तक आलू को लोग सेहत के लिए हानिकारक मानते थे। क्योंकि इसके अंदर उच्च स्टार्च और कार्बोहाइड्रेट होता है, लेकिन देश में पहली बार कई अनोखी किस्म की आलू विकसित की गई है। इस आलू की खासियत यह है कि इनका गूदा रंगीन है और ये एंटीऑक्सीडेंट के साथ ही कई तरह के विटामिन से भरपूर सुपरफूड हैं, जिसे खाने से न सिर्फ आपको अच्छी सेहत मिलेगी, बल्कि देश के किसानों की किस्मत भी खुल जाएगी।

यह आलू कम क्षेत्र में ज्यादा उत्पादन देगी और किसानों को मालामाल कर देगी। इस रंगीन गूदा वाले आलू को केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान मेरठ ने विकसित किया है।हां दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में लेकर केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान के मुख्य तकनीकी अधिकारी डॉ. अशोक कुमार चौहान पहुंचे है। बता दें कि इस अनोखे आलू को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। विशेषज्ञ भी इसे देखकर हैरान है।

RMPCL

तुरंत एक्सपर्ट कृषि सलाह व समाधान पाये, आज ही हमसे कॉल द्वारा जुड़े : 8956926412

MAHAVEERA ZIRON

मिर्ची की उन्नत खेती के बारे में जानकारी -

मिर्च एक प्रमुख मसाला फसल है, जिसकी खेती पूरे भारत में बड़े पैमाने पर की जाती है। उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाकर इसकी उपज और गुणवत्ता में वृद्धि की जा सकती है।

जलवायु और भूमि

- **जलवायु:** 20–30°C तापमान उपयुक्त
- **मिट्टी:** अच्छी जल निकासी वाली दोमट/बलुई दोमट
- **pH:** 6.0–7.5

नर्सरी तैयारी

- **बीज दर:** 500–600 ग्राम/हेक्टेयर
- उथली क्यारियों में बुवाई
- **बीज उपचार:** कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम/किलो बीज
- ट्राइकोडर्मा 5 ग्राम/किलो बीज
- 25–30 दिन में पौधे तैयार

रोपाई (Transplanting)

- **दूरी:** 45–60 सेमी (लाइन), 30–45 सेमी (पौधा)
- शाम के समय रोपाई करें
- हल्की सिंचाई दें

सिंचाई

- रोपाई के बाद तुरंत सिंचाई
- 7–10 दिन के अंतर पर सिंचाई
- फूल व फल बनने के समय पानी की कमी न होने दें

RMPCL
आ गया है एकसाथ 6 पोषक तत्वों वाला
6 Nutrition का Sixer
महावीरा ज़िरोंन पॉवर सभी फसलों के लिए मान्य
MAHAVEERA ZIRON

खरपतवार नियंत्रण

- हाथ से निराई-गुड़ाई: 20–25 दिन और 40–45 दिन बाद
- मल्चिंग (Mulching): प्लास्टिक या जैविक मल्च से खरपतवार कम होते हैं

प्रमुख कीट नियंत्रण

- **थ्रिप्स, माइट, एफिड, सफेद मक्खी**
- स्प्रे: इमिडाक्लोप्रिड 0.3 ml/लीटर या स्पिनोसैड 0.3 ml/लीटर

प्रमुख रोग नियंत्रण

- लीफ कर्ल (Virus) → सफेद मक्खी नियंत्रण
- फल सड़न / एन्थ्रेक्नोज → मैनकोजेब 2.5 ग्राम/लीटर
- पाउडरी मिल्ड्यू → सल्फर 2 ग्राम/लीटर

तुड़ाई (Harvesting)

- रोपाई के 60–70 दिन बाद शुरू
- हर 7–10 दिन में तुड़ाई
- हरी मिर्च और सूखी मिर्च दोनों के लिए अलग समय

उत्पादन

- औसत उत्पादन: 100–120 क्विंटल/हेक्टेयर (हरी मिर्च)
- अच्छी तकनीक से 160-180 क्विंटल तक संभव

खाद और उर्वरक खाद प्रबंधन

मिर्ची की फसल में पोषक तत्वों का प्रबंधन (अनुशंसित उर्वरक की मात्रा - KG 60:24:30) प्रति एकड़

अवधि	Mahaveera Ziron Power Plus	MOP	Urea	Symtron	AMITRON-Z (Zinc + Amino Acid)	Boron	Mgso4
	KG	KG	KG	KG	ML	GM	KG
रोपाई के समय	150	50	30	4	0	0	25
25-30 दिन बाद में	0	0	40	0	0	0	0
45-50 दिन बाद में	0	0	30	4	500	0	0
75-80 दिन बाद में	0	0	25	0	0	250	0
कुल मात्रा KG/GM/ML	150	50	125	8	500	250	25
जल घुलनशील उर्वरक 4-5 ग्राम /लीटर पानी मे	25-30 दिन की अवधि में 19:19:19, 45-50 दिन की अवधि में 12:61:00 का 50-55 दिन की अवधि मे CN+B + 00:52:34 का तथा 80-85 दिन की अवधि में 13.00.45/00.00.50 का एक छिड़काव अवश्य करे						

महावीरा एग्री एड्वाइज़री

मिर्ची की फसल में उकठा रोग (Wilt) के लक्षण एवं उपाय बताए

लक्षण:

- पौधा पानी मिलने के बाद भी मुरझा जाता है
- पत्तियां पीली होकर लटक जाती हैं
- तना और जड़ काले/सड़े हुए दिखते हैं

उपाय:

- रोगरोधी किस्मों का चयन करें।
- खेत में जल निकासी अच्छी रखें।
- बीज उपचार- कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम/किलो बीज
- ट्राइकोडर्मा 5-10 ग्राम/किलो खाद में मिलाकर डालें

मिर्ची की फसल में पाउडरी मिल्ड्यू (Powdery Mildew) के लक्षण एवं उपाय बताए??

लक्षण:

- पत्तियों पर सफेद पाउडर जैसा चूर्ण
- पत्तियां पीली होकर सूखने लगती हैं
- पौधे की बढ़वार रुक जाती है
- फूल और फल कम लगते हैं

उपाय:

- स्प्रे: सल्फर 2 ग्राम/लीटर या हेक्साकोनाजोल 1 ml/लीटर

RMPCL
किसान भाइयों की हर परेशानी का सिर्फ एक ही इलाज
महावीरा ज़िरोंन, वॉटर सॉलयुबल खाद और सूक्ष्मतत्वों का साथ

टमाटर की फसल में बैक्टीरियल विल्ट (Bacterial Wilt) के लक्षण एवं उपाय बताए?

टमाटर की फसल में बैक्टीरियल विल्ट (Bacterial Wilt), जिसे "जीवाणुजनित मुरझान" या "उकड़ा रोग" भी कहा जाता है, एक गंभीर समस्या है जो रालस्टोनिया सोलानासेरम (Ralstonia solanacearum) नामक जीवाणु के कारण होती है। इस रोग के मुख्य लक्षण और बचाव के उपाय नीचे दिए गए हैं:

बैक्टीरियल विल्ट के मुख्य लक्षण

- अचानक मुरझाना : पौधा दिन की तेज धूप में अचानक मुरझा जाता है और शाम को या रात में वापस सामान्य दिखने लगता है। कुछ दिनों बाद पौधा पूरी तरह से सूख जाता है।
- हरा रंग बना रहना : फ्यूजेरियम विल्ट के विपरीत, इस रोग में पौधा मुरझाने के बावजूद शुरू में हरा ही रहता है। पत्तियां पीली नहीं पड़तीं।

तने का भूरापन : यदि तने को चीरा जाए, तो उसके अंदर का हिस्सा (संवहनी ऊतक) भूरा या गहरा दिखाई देता है।

नियंत्रण एवं बचाव के उपाय

चूंकि यह रोग मिट्टी से फैलता है, इसलिए एक बार संक्रमण होने पर इसका पूर्ण रासायनिक उपचार कठिन होता है। इसके प्रबंधन के लिए निवारक उपाय सबसे प्रभावी हैं :

- **संक्रमित पौधों को हटाना:** यदि खेत में कोई पौधा मुरझाया हुआ दिखे, तो उसे जड़ सहित उखाड़कर खेत से दूर गहरे गड्ढे में दबा दें या जला दें।
- **जैव-नियंत्रण (Trichoderma):** रोपाई के 15-25 दिनों बाद ट्राइकोडर्मा (Trichoderma viride) का उपयोग करें। 500 ग्राम ट्राइकोडर्मा को 200 लीटर पानी और 2-3 किलो गुड़ के घोल में मिलाकर जड़ों के पास ड्रेंचिंग (जड़ों में डालना) करना बहुत प्रभावी होता है।

महावीरा यशोगाथा

अभिषेक गुर्जर
सिराली, हरदा
फसल- मिर्ची
प्रोडक्ट- महावीरा ज़िरोंन

मैं एक मिर्ची का किसान हूँ। इस सीजन में मैंने अपनी मिर्ची की फसल में महावीरा ज़िरोंन का बेसल डोज़ इस्तेमाल किया, जिसके मुझे बहुत ही शानदार परिणाम देखने को मिले। इसके उपयोग के बाद फसल में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आई। मिर्ची के पौधों में बहुत अच्छा फुटाव हुआ और सबसे खास बात -पूरी फसल में ऊपर से नीचे तक एक जैसी बेहतरीन क्वालिटी देखने को मिली है। मेरे अनुभव के अनुसार, यह प्रोडक्ट मिर्ची की फसल के लिए काफी प्रभावी साबित हुआ है।

इस्माइल
रुड़की पुख्ता, मोहाली, पंजाब
फसल- मिर्ची
प्रोडक्ट- महावीरा ज़िरोंन

मैं पहले अपनी फसल में DAP का उपयोग करता था, लेकिन जब से मैंने महावीरा ज़िरोंन का इस्तेमाल शुरू किया, मुझे बहुत ही बेहतरीन परिणाम देखने को मिले। फसल में अच्छा फुटाव हुआ और क्वालिटी भी शानदार रही। यहां के कई किसान भाई भी महावीरा ज़िरोंन का ही उपयोग करते हैं, और उनके अनुभव भी काफी सकारात्मक हैं।

मैं उन सभी किसानों से कहना चाहता हूँ जो अभी भी DAP का उपयोग कर रहे हैं - एक बार महावीरा ज़िरोंन जरूर अपनाकर देखें। फर्क आपको खुद नज़र आएगा।

RMPCL
तुरंत एक्सपर्ट कृषि सलाह व समाधान पाये, आज ही हमसे कॉल द्वारा जुड़े : 8956926412
MAHAVEERA ZIRON